# गणतंत्र दिवस परेड के लिये राजस्थान की झाँकी

## चर्चा में क्यों ?

26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान की झाँकी में रेगिस्तानी राज्य की मनमोहक सांस्कृतिक परंपराओं, आकर्षक हस्तशिल्प और विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को दर्शाया गया।

## मुख्य बिंदु:

- **''विकसित भारत में – पधारो म्हारे देश...राजस्थान'' थीम** पर आधारित झाँकी में राज्य की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।
- यह झाँकी राजस्थान की **उत्सवधर्मी संस्कृति के साथ-साथ महिला हस्तशिल्प उद्योगों के विकास** का प्रदर्शन थी, जिसमें **सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत की सुंदर झलक** मिलती थी।
- झाँकी के पिछले भाग में **भक्ति एवं शक्ति की प्रतीक मीरा बाई की सुंदर प्रतिमा** प्रदर्शित की गयी थी।
- राज्य की समृद्ध हस्तशिल्प परंपराएँ, जिनमें **बंधेज, बगरू प्रिंट और एप्लिक वर्क** शामिल हैं, जो महिलाओं द्वारा कुशलतापूर्वक तैयार की जाती हैं, "राजस्थान की महिलाओं" की उद्यमशीलता को दर्शाती हैं।
- झाँकी में '**गोरबंद**' से सजे दो ऊँटों के मॉडल थे, जो राजस्थान में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले '**ऊँट उत्सव**' की विरासत को दर्शाते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2024 को 'अंतर्राष्ट्रीय कैमलिड्स' वर्ष भी घोषित किया है।

//

## मीराबाई

- वह भारत के भक्ति आंदोलन की प्रमुख **संत, कवयित्री और भगवान कृष्ण की भक्त** थीं।
- उन्हें भक्ति आंदोलन में एक प्रमुख प्रसिद्धि हासिल हुई, एक **आध्यात्मिक और भक्ति आंदोलन जिसने परमात्मा के साथ व्यक्तिगत संबंध पर ज़ोर** दिया तथा मोक्ष प्राप्त करने के साधन के रूप में **प्रेम एवं भक्ति** का समर्थन किया।

## अंतर्राष्ट्रीय कैमलिड्स वर्ष 2024

- **संयुक्त राष्ट्र** ने वर्ष 2024 को **अंतर्राष्ट्रीय कैमलिड्स वर्ष** के रूप में नामित किया है।
- यह वर्ष पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा, जैव विविधता के संरक्षण, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और **जलवायु परिवर्तन** के अनुकूल ऊँटों की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में जनता तथा नीति निर्माताओं की जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।